## इकाई - 1

# प्यार

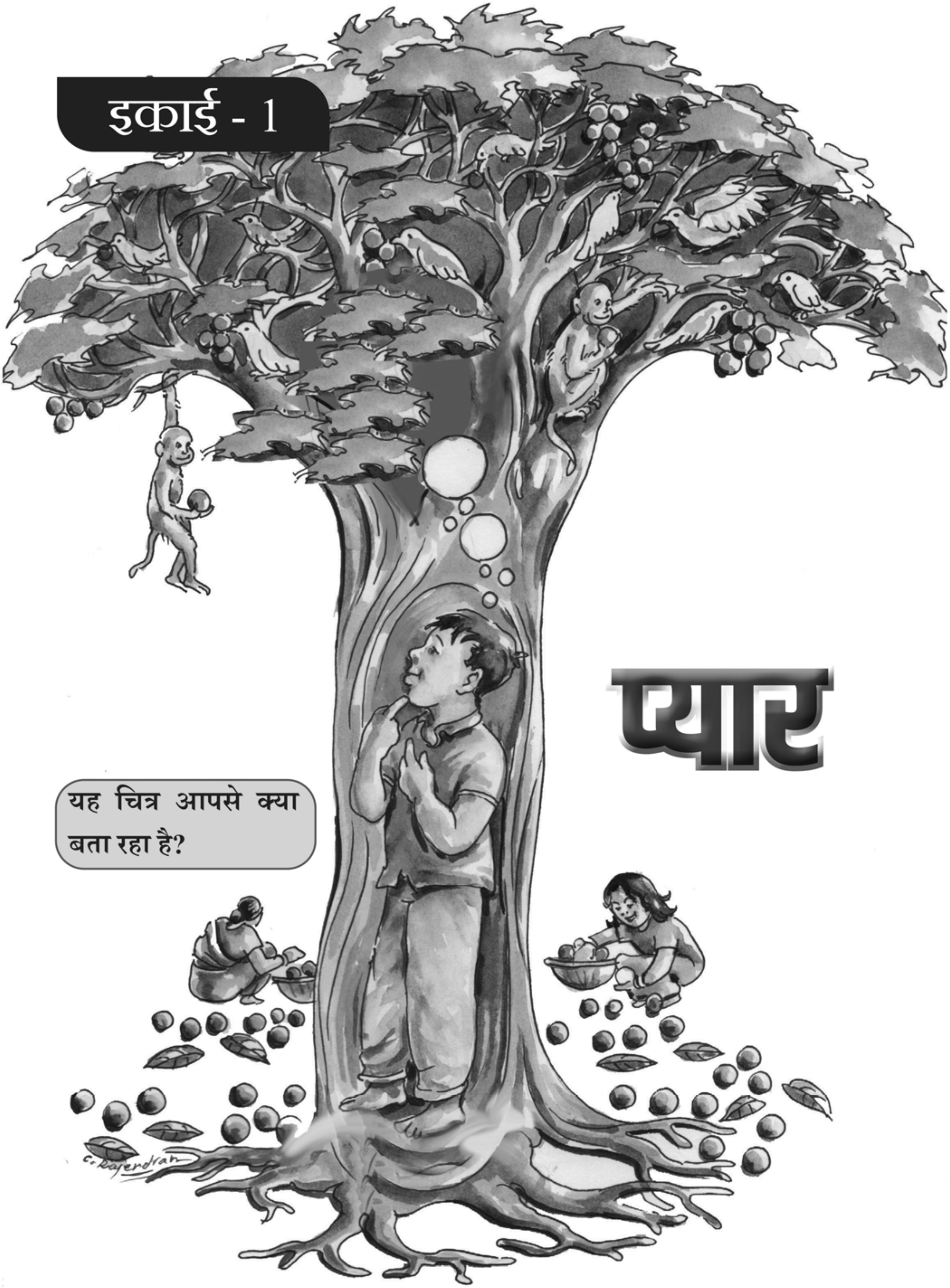

यह चित्र आपसे क्या बता रहा है?

कविता

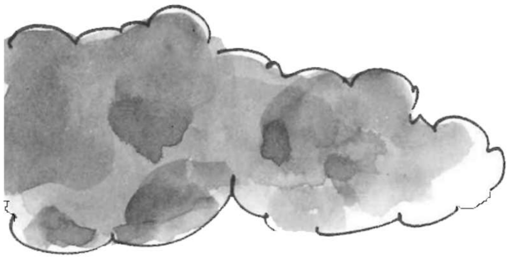

# खुद से प्यार

शोभनाथ यादव

सूरज अपनी आग से
इतना प्यार करे कि
वह दे सके आग
दुनिया को भी!

दरख़्त अपने फूलों से
इतना प्यार करे कि
वह दे सके फूल
दुनिया को भी!

बादल अपने जल से
इतना प्यार करे कि
वह दे सके जल
दुनिया को भी!

मैं खुद से
इतना प्यार करूँ कि
दे सकूँ प्यार
दुनिया को भी!

'वह दे सके आग' -यहाँ 'आग' से क्या मतलब है?

'दरख़्त' से आपने क्या समझा?

'खुद से प्यार करना' से क्या अर्थ निकलता है?

## जोड़ें और वाक्य लिखें :

- सूरज
- पेड़
- बादल

दुनिया को

पानी
ऊर्जा
फूल

देता है।

## पहचानें और लिखें :

**जीवन का आधार है**

| | | |
|---|---|---|
| 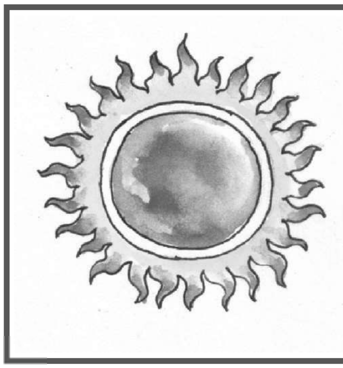 | | 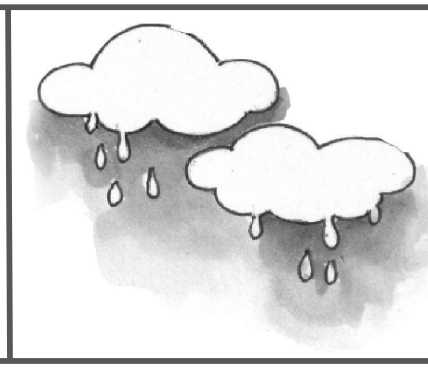 |
| | | |

**आशय पढ़ें और पंक्तियाँ ढूँढ़ें :**

कवि चाहता है,

- सूरज अपनी ऊर्जा से प्यार करे और संसार को ऊर्जा प्रदान करे।
- मेघ अपने पानी से प्यार करे और प्रकृति की प्यास बुझाए।

**ये दुनिया को कैसे प्यार करेंगे? अपने विचार लिखें :**

**सूरज**

- ..................................................................
- ..................................................................
- ..................................................................

**पेड़**

- ..................................................................
- ..................................................................
- ..................................................................

**बादल**

- ..................................................................
- ..................................................................
- ..................................................................

**ताल-लय के साथ कविता का आलाप करें।**

**कविता का आशय लिखें।**

**कविता के आशय के आधार पर चित्र खींचें।**

**शोभनाथ यादव**

जन्म : 14 जून 1937

शोभनाथ यादव का जन्म उत्तर प्रदेश में हुआ। वे लेखक और संपादक हैं। 'दरख़्तों में सूरज','भस्मासुर की भूमिका','नरक गाथा' आदि उनकी रचनाएँ हैं।

लेख

# साफ़-सफ़ाई में अव्वल गाँव

**ग़ालिब कलीम**

एशिया का सबसे साफ़-सुथरा गाँव मावलिन्नोंग मेघालय में है। साल 2003 में इस गाँव को एशिया के सबसे साफ़-सुथरे गाँव के तौर पर चुना गया। इस गाँव की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहाँ की सारी साफ़-सफ़ाई गाँववाले खुद ही करते हैं। स्वच्छता के लिए यहाँ के लोग किसी तरह से प्रशासन पर निर्भर नहीं हैं।

> यहाँ गाँववालों की कौन-सी मनोदशा प्रकट होती है ?

इस छोटे से गाँव में प्लास्टिक पूरी तरह से प्रतिबंधित है। पूरे गाँव में जगह-जगह बाँस से बने हुए डस्टबिन लगाए गए हैं। महिला, पुरुष और बच्चों समेत किसी भी गाँववाले को अगर कहीं गंदगी नज़र आती है तो वे फौरन सफ़ाई में लग जाते

हैं। सफ़ाई के प्रति उनकी जागरूकता का अंदाज़ा तुम इस बात से लगा सकते हो कि अगर सड़क पर चलते हुए उन्हें कहीं भी कचरा नज़र आए तो वे पहले कचरे को डस्टबिन में डालते हैं। फिर आगे बढ़ते हैं। यहाँ लोग अपने घर से निकलनेवाले कूड़े-कचरे को भी डस्टबिन में जमा करते हैं और फिर उसे एक जगह इकट्ठा कर खेती के लिए खाद की तरह इस्तेमाल करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि 130 साल पहले इस गाँव को हैजे की बीमारी ने बुरी तरह से जकड़ लिया था। मेडिकल सुविधा न होने की वजह से इस बीमारी से छुटकारा पाने का एकमात्र उपाय था– सफ़ाई करना। गाँव के लोगों का मानना है कि हमारे पूर्वजों ने कहा था कि तुम सफ़ाई के ज़रिए ही खुद को बचा सकते हो। फिर चाहे वह खाना हो, घर हो, ज़मीन हो, गाँव हो या फिर अपना शरीर ही क्यों न हो, सफ़ाई ज़रूरी है।

जीवन में नीरोग रहने के लिए सफ़ाई के अलावा क्या-क्या उपाय हैं ?

**मान लें, मावलिन्नोंग गाँव में पर्यटक आते हैं। वहाँ सूचना पट है। वह कैसा होगा?**

**मावलिन्नोंग**

**एशिया का सबसे साफ़-सुथरा गाँव**

**ध्यान दें ...**

**..................................................................**

**'पुनर्चक्रण से प्रकृति का बोझ कम हो जाता है।' चर्चा करके पुनर्चक्रण की सूची तैयार करें :**

जैसे –

| | | |
|---|---|---|
| कूड़े-कचरों से | - | खाद |
| इस्तेमाल किए गए प्लास्टिक से | - | |

**सार्थक वाक्य बनाएँ :**

साफ़-सफ़ाईहमारादायित्वहै।

स्वच्छनहींरहेंगेतोस्वस्थनहींहोंगे।

तनहोयामनसफ़ाईज़रूरीहै।

- ........................................................................
- ........................................................................
- ........................................................................

**'नारा गीत' को आगे बढ़ाएँ :**

स्वच्छ रहो तुम स्वस्थ बनो
प्रकृति को तुम अपना लो
हरियाली का गीत रचो तुम
शुद्ध हवा को अपना लो

**संदेश वाक्य जोड़कर परिस्थिति संरक्षण पर पोस्टर / डिजिटल पोस्टर बनाएँ।**

**ग़ालिब कलीम**

जन्म : 06-06-1984

ग़ालिब कलीम का जन्म बिहार में हुआ। उन्हें घूमने-फिरने का शौक बचपन से ही था। उनका मानना है कि जो चीज़ें हम किताबों में पढ़ते हैं, घूमने के दौरान अपनी आँखों के सामने उन्हें देखना एक अलग अनुभव होता है। वे सिर्फ खूबसूरत नज़ारे ही नहीं देखते बल्कि वहाँ के लोग, उनकी कला, संस्कृति और खान-पान को भी नज़दीक से देखते और समझते हैं। उनकी रचनाएँ अकसर बाल पत्रिकाओं में प्रकाशित होती हैं।

## मदद लें...

| | | |
|---|---|---|
| अव्वल | - | प्रथम श्रेणी का |
| साफ़-सुथरा | - | വൃത്തിയായ, clean, ಸ್ವಚ್ಛವಾದ, தூய்மையான |
| के तौर पर | - | രീതിയിൽ, in the manner, ರೀತಿಯಲ್ಲಿ, முறையில் |
| खासियत | - | विशेषता |
| सफ़ाई | - | ശുചിത്വം, cleanliness, ಶುಚಿತ್ವ, தூய்மை |
| प्रशासन | - | ഭരണം, administration, ಆಡಳಿತ, ஆட்சி |
| स्वच्छता | - | ശുചിത്വം, cleanliness, ಶುಚಿತ್ವ, தூய்மை |
| निर्भर | - | आश्रित |
| प्रतिबंधित है | - | നിരോധിച്ചിരിക്കുന്നു, is prohibited, ನಿಷೇಧಿಸಲಾಗಿದೆ, தடைசெய்யப்பட்டுள்ளது |
| बाँस | - | മുള, Bamboo, ಬಿದಿರು, மூங்கில் |
| फौरन | - | तुरंत |
| जागरूकता | - | ഉണർവ്വ്, awareness, ಅರಿವು, விழிப்புணர்வு |
| अंदाज़ा लगाना | - | अनुमान करना |
| जमा करना | - | इकट्ठा करना |
| कूड़ा-कचरा | - | ചപ്പ് ചവറ്, waste, ಕಸ ಕಡ್ಡಿಗಳು, குப்பைக்கூளம் |
| इकट्ठा करना | - | एकत्रित करना |
| खाद | - | उर्वरक, വളം, fertilizer, ಗೊಬ್ಬರ, உரம் |
| इस्तेमाल करना | - | उपयोग करना |
| हैजा | - | കോളറ, Cholera, ಕಾಲರಾ, காலரா |
| जकड़ लेना | - | कसकर बाँधना |
| की वजह से | - | के कारण |
| सुविधा | - | സൗകര്യം, facility, ಸೌಲಭ್ಯ, , வசதி |
| छुटकारा पाना | - | मुक्त होना |
| के ज़रिए | - | के द्‌वारा |
| ज़रूरी | - | आवश्यक |